ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–53
दिनांक: मंगलवार, 14 जुलाई, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.6 एवं 24.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 94 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 83 प्रतिशत, हवा की औसत गति 8.6 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 2.1 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 1.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.0 एवं दोपहर में 34.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि 91.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(15–19 जुलाई, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 15 जुलाई से 19 जुलाई, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- बेगूसराय को छोड़कर उत्तर बिहार के अधिकांश जिलों में 15–17 जुलाई के दौरान मेघगर्जन एवं वज्रपात की संभावना है। साथ ही साथ कहीं–कहीं हवा तेज हो सकती है। इस अवधि में अधिकांश क्षेत्रों में हल्के से मध्यम वर्षा हो सकती है। वहीं, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी एवं पश्चिम चंपारण जिलों में 15–16 जुलाई के आस–पास मध्यम से भारी वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान ज्यादातर समय आसमान में हल्की से मध्यम बादल देखें जा सकते है। वर्षा होने की स्थिति में आसमान में घने बादल छा सकते है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान 29–32°C के बीच रहने की संभावना है, जबकि बेगूसराय, वैशाली, शिवहर एवं पूर्वी चंपारण जिलों में यह 34–36°C के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान 24–28°C के बीच रहने की संभावना है।
- सुबह में सापेक्षिक आर्द्रता 80–85 प्रतिशत रहने की संभावना है, जबकि दोपहर में सापेक्षिक आर्द्रता सारण, सिवान, गोपालगंज, पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण जिलों में 40–45 प्रतिशत तथा अन्य जिलों में 50–60 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- इस दौरान हवा मुख्यतः दक्षिण–पश्चिमी दिशा से 10–15 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। आकाश सामान्यतः

समसामयिक सुझाव

- वर्षा की संभावना को देखते हुए जिन किसानों के पास सिंचाई की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध है, वे 21–25 दिन की धान के बीचड़ो की रोपाई करें। रोपाई से पूर्व खेत की अंतिम तैयारी के समय प्रति हेक्टेयर 25–30 किलोग्राम नाइट्रोजन, 40 किलोग्राम फॉस्फोरस, 30 किलोग्राम पोटाश तथा 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट का प्रयोग करें।
- इस वर्ष मानसून के प्रारंभिक चरण में वर्षा की कमी के कारण जिन ऊँचास जमीन में धान की खेती संभव नहीं है, वहाँ किसान तिल की खेती वैकल्पिक फसल के रूप में अपनाएँ। तिल की बुआई जुलाई के मध्य तक की जा सकती है। बुआई से पहले बीजों को थिरम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। कतार से कतार 30 सेमी तथा पौधे से पौधे 10–15 सेमी की दूरी रखें। बुआई से 20–30 दिन पूर्व प्रति हेक्टेयर 60 क्विंटल सड़ी हुई गोबर की खाद/कम्पोस्ट खेत में मिलाएँ। प्रति हेक्टेयर 40 किलोग्राम नाइट्रोजन, 20 किलोग्राम फॉस्फोरस एवं 20 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग करें। फॉस्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा तथा नाइट्रोजन की आधी मात्रा अंतिम जुताई के समय दें तथा शेष आधी नाइट्रोजन बुआई के लगभग 30 दिन बाद टॉप ड्रेसिंग के रूप में दें। अधिक उत्पादन हेतु *कृष्णा, कालिका, कांके सफेद* एवं *प्रगति* (एमटी–75) किस्मों का चयन करें।
- उड़द की बुआई करें। *टी–9, पंत यू–19, पंत उड़द–31, उत्तरा* एवं *नवीन* किस्मों का चयन करें। प्रति हेक्टेयर 20–25 किलोग्राम बीज का प्रयोग करें। बुआई से 2–3 दिन पूर्व बीजों को कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। इसके बाद क्लोरपाइरीफॉस 2–4 मि.ली. प्रति किलोग्राम बीज तथा बुआई से ठीक पहले राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें। बुआई से पूर्व प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नाइट्रोजन, 45 किलोग्राम फॉस्फोरस, 20 किलोग्राम पोटाश एवं 20 किलोग्राम सल्फर का प्रयोग करें।
- किसान ऊँचास एवं अच्छी जल निकास वाली जमीन में अरहर की बुआई हेतु खेत की तैयारी प्रारम्भ करें। *बहार, पूसा–9, राजेन्द्र अरहर–1* एवं *राजेन्द्र अरहर–2* किस्मों का चयन करें। अंतिम जुताई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नाइट्रोजन, 45 किलोग्राम फॉस्फोरस, 20 किलोग्राम पोटाश एवं 20 किलोग्राम गंधक का प्रयोग करें। 18–20 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करें। कतार से कतार 60 सेमी तथा पौधे से पौधे 20 सेमी की दूरी रखें तथा अंतरवर्ती खेती में कतार से कतार 75 सेमी की दूरी रखें। बुआई से 24 घंटे पूर्व बीजों को कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। इसके बाद क्लोरपाइरीफॉस 2–4 मि.ली. प्रति किलोग्राम बीज तथा राइजोबियम कल्चर से बीज उपचार करें। खेत में उचित जल निकास की व्यवस्था रखें तथा जहाँ संभव हो मेड़ों या उठी हुई क्यारियों पर बुआई करें।
- नए बागों एवं कृषि वानिकी पौधों का रोपण करने के लिए वर्तमान मौसम उपयुक्त है। रोपाई से पूर्व दीमक एवं सफेद सूंडी से बचाव हेतु गड्ढों को क्लोरपायरीफॉस 20 ईसी के 5 मि.ली. प्रति लीटर पानी के घोल से उपचारित करें।
- वर्षा ऋतु में बकरियों को गीला चारा नहीं खिलाएँ। बकरी बाड़े की नियमित रूप से चूना एवं ब्लीचिंग पाउडर से सफाई एवं कीटाणु शोधन करें। पशु चिकित्सक की सलाह के अनुसार कृमिनाशक दवा पिलाएँ तथा ई.टी. (एंटरोटॉक्सिमिया) रोग से बचाव के लिए समय पर टीकाकरण कराएँ। नवजात मेमनों को जन्म के तुरंत बाद पर्याप्त मात्रा में खीस (कोलोस्ट्रम) पिलाएँ। बकरियों को संतुलित आहार के रूप में हरा चारा, मुलायम पत्तियाँ एवं चोकर खिलाएँ।

आज का अधिकतम तापमानः 34.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 22.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.9 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी